स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

कानपुर, बुधवार
5 अगस्त, 2026
श्रावण मास कृष्ण पक्ष 7
सं. 2083 वि.
वर्ष 37, अंक - 344 पृष्ठ 12
संस्करण : महानगर
मूल्य : 3 रुपये

स्वतंत्र भारत

epaper : epaper.swatantrabharat.net

सीएसए में नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत हुए जागरूकता व्याख्यान का आयोजन

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) चन्द्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालयए कानपुर के यूटिलिटी भवन में ष्नशा मुक्ति केंद्रष् विषय पर एक जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ एवं नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री रमेश कुमारए क्षेत्रीय मद्य निषेध एवं समाजोत्थान अधिकारीए लखनऊ मंडल रहे। उन्होंने नशे के शारीरिकए मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने तथा समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। इस अवसर पर श्री विमल कुमार साहूए सहायक क्षेत्रीय मद्य निषेध एवं समाजोत्थान अधिकारीए लखनऊ मंडल ने नशा मुक्ति केंद्रों की भूमिकाए परामर्श सेवाओं तथा नशा छोड़ने के विभिन्न उपायों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें तथा दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करें। व्याख्यान के उपरांत विद्यार्थियों के साथ एक प्रश्नोत्तरी एवं संवाद सत्र आयोजित किया गयाए जिसमें छात्र.छात्राओं ने नशे से भरे संबंधित विभिन्न जिज्ञासाएँ व्यक्त कीं तथा विशेषज्ञों ने उनके प्रश्नों के व्यावहारिक एवं वैज्ञानिक उत्तर दिए। विद्यार्थियों ने भी अपने विचार साझा करते हुए नशा मुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की सक्रिय भूमिका पर बल दिया तथा ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों को समय.समय पर आयोजित किए जाने की आवश्यकता व्यक्त की। कार्यक्रम का आयोजन डॉण् एकता शर्माए प्रोफेसरए कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस द्वारा डॉण् मुकेश श्रीवास्तवए अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं डॉण् संघमित्रा महापात्रए सह अधिष्ठाता छात्र कल्याण के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकगणए कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र.छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लियाए व्याख्यान के अंत में सभी प्रतिभागियों ने ष्नशा मुक्त भारतष् के निर्माण हेतु स्वयं नशा न करने तथा समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए जन.जागरूकता फैलाने की सामूहिक शपथ ली।ष्नशा छोड़ें दृ जीवन जोड़ें जागरूक बनें जागरूक करें।

अमर भारती

एक उम्मीद

श, 06 संस्करण

ः 12, मूल्यः 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com बुधवार, 05 अगस्त 2026 शक सम्वत् 1948, सावन कृष्ण

कवि क
-सुनहरी ला
अपना
जिस घर को
उसने किया
बहका रह
अपने ही घर

नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत हुए जागरुकता व्याख्यान

कानपुर (अमर भारती)। सीएसए के यूटिलिटी भवन में नशा मुक्ति केंद्र विषय पर एक जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ एवं नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रमेश कुमार, क्षेत्रीय मद्य निषेध एवं समाजोत्थान अधिकारी, लखनऊ मंडल रहे। उन्होंने नशे के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने तथा समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। इस अवसर पर विमल कुमार साहू, सहायक क्षेत्रीय मद्य निषेध एवं समाजोत्थान अधिकारी, लखनऊ मंडल ने नशा मुक्ति केंद्रों की भूमिका, परामर्श सेवाओं तथा नशा छोड़ने के विभिन्न उपायों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें तथा दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करें। व्याख्यान के उपरांत विद्यार्थियों के साथ एक प्रश्नोत्तरी एवं संवाद सत्र आयोजित किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने नशे से भरे संबंधित विभिन्न जिज्ञासाएँ व्यक्त कीं तथा विशेषज्ञों ने उनके प्रश्नों के व्यावहारिक एवं वैज्ञानिक उत्तर दिए। विद्यार्थियों ने भी अपने विचार साझा करते हुए नशा मुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की सक्रिय भूमिका पर बल दिया तथा ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों को समय-समय पर आयोजित किए जाने की आवश्यकता व्यक्त की। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. एकता शर्मा, प्रोफेसर, कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस द्वारा डॉ. मुकेश श्रीवास्तव, अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं डॉ. संघमित्रा महापात्र, सह अधिष्ठाता छात्र कल्याण के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, व्याख्यान के अंत में सभी प्रतिभागियों ने ÷नशा मुक्त भारत÷ के निर्माण हेतु स्वयं नशा न करने तथा समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए जन-जागरूकता फैलाने की सामूहिक शपथ ली।

सीएसए में गूंजा नशा मुक्ति का संदेश

दि ग्राम टुडे,कानपुर। चन्द्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में मंगलवार को नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता व्याख्यान आयोजित कर विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया। विश्वविद्यालय के यूटिलिटी भवन में आयोजित कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ, सुरक्षित और जिम्मेदार समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता क्षेत्रीय मद्य निषेध एवं समाजोत्थान अधिकारी, लखनऊ मंडल श्री रमेश कुमार ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार, सामाजिक जीवन और भविष्य को भी प्रभावित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूरी बनाकर दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का संदेश दिया।

सहायक क्षेत्रीय मद्य निषेध एवं समाजोत्थान अधिकारी श्री विमल कुमार साहू ने नशा मुक्ति केंद्रों की कार्यप्रणाली, उपलब्ध परामर्श सेवाओं तथा नशा छोड़ने के वैज्ञानिक एवं प्रभावी उपायों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते सही मार्गदर्शन और उपचार मिल जाए तो नशे की लत से बाहर निकलना संभव है।

व्याख्यान के बाद आयोजित संवाद एवं प्रश्नोत्तर सत्र में छात्र–छात्राओं ने नशे से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपनी जिज्ञासाएं रखीं। विशेषज्ञों ने उनके प्रश्नों का सरल, वैज्ञानिक और व्यावहारिक उत्तर देकर युवाओं को जागरूक किया। विद्यार्थियों ने भी नशा मुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए और ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाने की आवश्यकता बताई।

कार्यक्रम का आयोजन प्रोफेसर डॉ. एकता शर्मा ने अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. मुकेश श्रीवास्तव एवं सह अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संघमित्रा महापात्र के मार्गदर्शन में किया। इसमें विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

समापन पर सभी प्रतिभागियों ने ष्नशा मुक्त भारतष् के निर्माण का सामूहिक संकल्प लेते हुए स्वयं नशा न करने तथा समाज में जन–जागरूकता फैलाने की शपथ ली। कार्यक्रम का संदेश रहाकृ ष्नशा छोड़ें, जीवन जोड़ें; जागरूक बनें, जागरूक करें।ष